SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
Class Notes

CLASS: 5 SUBJECT: हिंदी
Prepared By: Salma (Date:) LESSON-9 मैं मज़दूर हूँ, व्याकरण-11 अविकारी शब्द

प्रश्न-१) शब्दार्थ मधुश्री पाठ्यपुस्तक से नोटबुक में लिखिए।

प्रश्न-२) दिए गए शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-

क) विध्वंस- विनाश
वाक्य- बाढ़ के आने से पूरे गाँव का विध्वंस हो गया।

ख) मेहनतकश- मेहनत करने वाला
वाक्य- मज़दूर एक मेहनतकश इंसान है।

प्रश्न-३) खाली-स्थान भरिए-

क) कश्मीर का नाम लेते ही मन में **आनंद** की लहरें उठने लगती हैं।
ख) जलाशयों और बाँधों का निर्माण करने के लिए मज़दूरों ने नदियों का बहाव रोका।
ग) **मज़दूर** आज भी दक्षिण अफ्रीका की धरती फाड़कर हीरा निकाले जा रहा है।

प्रश्न-४) लघु उत्तरीय प्रश्नों के अर्थ लिखिए-

१) सुस्ताने के लिए कभी फावड़े नहीं टिकाए।

उत्तर- मज़दूर हमेशा काम करता रहा, उसने कभी काम करना बंद नहीं किया।

२) मेरी गिनती घर के मवेशियों के साथ ही की जाती थी।

उत्तर- मज़दूरों को पालतू पशुओं के समान ही जीवन जीना पड़ा।

३) उस ज़मीन की तरह मैं निरीह भी था।

उत्तर- जैसे ज़मीन अन्न तो पैदा करती है पर उसका उपभोग नहीं कर पाती वैसे ही मज़दूर भी अपनी बनाई गई चीजों का उपभोग नहीं कर पाते।

प्रश्न-५) दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर चार से पाँच वाक्यों में दीजिए-

१) मज़दूर धरती को कैसे सँवार रहे हैं?

उत्तर- मज़दूर निरंतर निर्माण कर रहे हैं। वे तबाही मचाने वाली नदियों का बहाव रोक कर जलाशय और बाँध बना रहे हैं। बढ़ते हुए समुद्र का जल सुखा रहे हैं। पहाड़ काटकर रास्ते बना रहे हैं। खेतों में अन्न उपजाकर हमारा-आपका पेट भर रहे हैं।

२) मज़दूर अपनी ही बनाई वस्तुओं का उपभोग क्यों नहीं कर पाता?

उत्तर- मज़दूरों को अपनी ही बनाई वस्तुओं का उपभोग करने के लिए उन्हें खरीदना होगा लेकिन उनकी आमदनी इतनी नहीं होती कि वे उन सभी वस्तुओं को खरीद सकें। उन्हें उनके श्रम का बहुत कम मूल्य मिलता है।

३) इस पाठ में मज़दूर के जीवन की किन विषम परिस्थितियों को उभारा गया है?

उत्तर- इस पाठ में बताया गया है कि मज़दूरों को उचित मात्रा में सम्मान नहीं मिलता है। किसी समय उन्हें दासों की तरह रखा जाता था। उन्हें प्रदूषित और घुटन भरे घरों में रहना पड़ता है। उन्हें अपनी मेहनत के उचित पैसे नहीं मिलते। वह अभावों से भरा जीवन जीने पर विवश है। उनके हित के विषय में कोई सोचना नहीं चाहता।

४) यह पाठ हमें क्या सोचने को विवश करता है?

उत्तर- यह पाठ हमें आईना दिखाकर यह बताता है कि हम अपने ही बीच के उस श्रमिक वर्ग के प्रति कितने अमानवीय हैं जो रात-दिन हमारी ही ज़रूरतें पूरी करने में लगा रहता है। यह पाठ हमें मज़दूरों की स्थिति के बारे में सोचने को विवश करता है।

प्रश्न-६) गतिविधि- "यदि मजदूर ना होते तो" इस विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए-

व्याकरण पाठ- अविकारी शब्द

परिभाषा- जिन शब्दों में वचन, लिंग और काल के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता, अविकारी या अव्यय शब्द कहते हैं।

अविकारी शब्द चार प्रकार के होते हैं-

१) क्रियाविशेषण २) संबंधबोधक ३) समुच्चयबोधक ४) विस्मयादिबोधक

१) **क्रियाविशेषण**- जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, उन्हें क्रियाविशेषण कहते हैं;

जैसे- बंदर **इधर-उधर** कूद रहा है।

क्रिया विशेषण चार प्रकार के होते हैं-

क) रीतिवाचक क्रियाविशेषण- जिन शब्दों से क्रिया के होने की रीति या ढंग की सूचना मिले, वे रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं; जैसे- खरगोश **तेज़** दौड़ता है।

ख) स्थानवाचक क्रियाविशेषण- जिन शब्दों से कार्य के स्थान या जगह की सूचना मिले, वे स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं; जैसे- सड़क पर हमेशा **बाएँ** चलो।

ग) **कालवाचक क्रियाविशेषण**- जिन शब्दों से कार्य के समय की सूचना मिले, वे कालवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं। जैसे मैं **रोज़** स्कूल जाता हूँ।

घ) **परिमाणवाचक क्रियाविशेषण**-जिन शब्दों से क्रिया की माप-तौल की सूचना मिले, वे परिमाणवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं। जैसे-मैं चॉकलेट **कम** खाता हूँ।

२) **संबंधबोधक**- जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम का संबंध वाक्य से जोड़ते हैं, वे संबंधबोधक कहलाते हैं। जैसे- मेरे घर **के सामने** पार्क है।

३) **समुच्चयबोधक**- जो शब्द दो शब्दों या वाक्यों को जोड़ते हैं, उन्हें समुच्चयबोधक या योजक शब्द कहते हैं। जैसे- राहुल **और** सीता भाई-बहन हैं ।

४) **विस्मयादिबोधक**- जिन शब्दों से विस्मय के भाव जैसे- घृणा, शोक, हर्ष, भय, चेतावनी आदि प्रकट होते हैं, उन्हें विस्मयादिबोधक शब्द कहते हैं। जैसे- **वाह**! क्या छक्का मारा है।

SUB TEACHER HOD CO-ORDINATOR PRINCIPAL